सुविचार

गुस्से में कभी गलत मत बोलो,
मूड तो ठीक हो ही जाता है,
पर बोली हुई बातें वापस
नही आती...

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक:- नागेश नरवरिया

पेज -7

वर्ष 6, अंक-72 | भोपाल, शुक्रवार 22 अक्टूबर 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

किसी शासकीय सेवक से तथ्य की भूल से अगर हत्या हो जाए तब वह कब क्षमा योग्य होगी जानिए/ IPC ....

हमारी भारतीय दण्ड संहिता के अध्याय - 4 में साधारण अपवाद दिये गए हैं इनमे कुल मिलाकर 31 धाराओ का समावेश है,ये अपवाद यह बताते हैं कि व्यक्ति द्वारा किया गया अपराध कब अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। अर्थात किन-किन परिस्थितियों में किया गया अपराध क्षमा योग्य होता है यह जानकारी हम आपको आज से हमारी भारतीय दण्ड संहिता की सीरिज में बताएंगे।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा-76 की परिभाषा-?

अगर किसी व्यक्ति या लोकसेवक जो विधि के नियमों के अनुसार कार्य कर रहा है एवं उसके द्वारा तथ्यों की भूल के कारण कोई अपराध हो जाता है, अर्थात किसी घटना या परिस्थितियों को देखते हुए विधि का पालन करते हुए कोई अपराध का होना, तब ऐसे अपराध को धारा 76 के अनुसार क्षमा योग्य माना जायेगा। सरल शब्दों में अगर कहे तो किसी भीड़-भाड़ वाले स्थान पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी के कहने पर सैनिक द्वारा हवा में फायरिंग कर दी जाए एवं गलती से फायरिंग की गोली किसी व्यक्ति को लग जाए तब यह तथ्य की भूल का अपराध होगा।

नोट- संहिता में विधि की भूल किसी भी प्रकार से क्षमा योग्य नहीं है अर्थात कोई व्यक्ति यह नहीं कह सकता है कि उसे इस कानून की जानकारी नहीं है, क्योंकि जब कोई विधि भारत सरकार द्वारा बनाई जाती है उसकी अधिसूचना तुरंत जारी कर दी जाती है।

- लेखक बी. आर. अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

बिहार विधानसभा उपचुनाव: कन्हैया-जिग्नेश-हार्दिक पहली बार बिहार में एक साथ कांग्रेस के लिए करेंगे प्रचार

कांग्रेस के युवा ब्रिगेड के अहम चेहरे कन्हैया कुमार, जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल एक साथ शुक्रवार को पहली बार बिहार में चुनावी प्रचार को धार देने के लिए उतर रहे हैं. कांग्रेस की यह तिकड़ी तीन-तीन दिन तारापुर और कुशेश्वरस्थान क्षेत्र में रहकर में पार्टी के पक्ष में जोरदार तरीके से माहौल बनाने का काम करेंगे।

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार विधानसभा की दो सीटों पर हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है. आरजेडी से बिगड़ते रिश्ते के बीच कांग्रेस किसी तरह की कोई गुंजाइश अब नहीं छोड़ना चाहती है. कांग्रेस के युवा ब्रिगेड के अहम चेहरे कन्हैया कुमार, जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल एक साथ शुक्रवार को पहली बार बिहार में चुनावी प्रचार को धार देने के लिए उतर रहे हैं. कांग्रेस की यह तिकड़ी तीन-तीन दिन तारापुर और कुशेश्वरस्थान क्षेत्र में रहकर पार्टी के पक्ष में जोरदार तरीके से माहौल बनाने का काम करेंगे कांग्रेस का दामन थामने के बाद कन्हैया कुमार, जिग्नेश मेवानी और हार्दिक पटेल पहली बार किसी चुनावी जनसभा में एक साथ उतर रहे हैं. तीन नेता शुक्रवार को पटना करीब दो बजे पटना एयरपोर्ट पर आएंगे. यहां से सदाकत आश्रम तक रोड शो होगा. तीनों नेता जनता से मिलते-जुलते सदाकत आश्रम पहुंचेंगे। कांग्रेस ने अपने तीनों युवा नेताओं के स्वागत के लिए जोरदार तैयारी की है, जिसमें ढोल-नगाड़े बजाते हुए पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन भी करेंगे. बिहार उपचुनाव में कांग्रेस और आरजेडी आमने-सामने मैदान में है जबकि एनडीए एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है. ऐसे में कांग्रेस ने चुनावी माहौल बनाने के लिए कन्हैया, जिग्नेश और हार्दिक जैसे युवा चेहरों को रणभूमि में उतार दिया।

आरजेडी-कांग्रेस आमने-सामने है

बिहार उपचुनाव में आरजेडी और कांग्रेस महागठबंधन के टूटने के बाद कांग्रेस के ये तीनों युवा नेता व स्टार प्रचारक अब एनडीए उम्मीदवार को ही नहीं बल्कि आरजेडी उम्मीदवारों को भी कड़ी टक्कर देंगे. शहीद भगत सिंह की जयंती पर सीपीआई नेता रहे कन्हैया कुमार और गुजरात से दलित नेता व विधायक जिग्नेश मेवानी राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए हैं. वहीं, हार्दिक पटेल पहले ही कांग्रेस में शामिल हैं और फिलहाल वह गुजरात में कार्यकारी अध्यक्ष हैं. गुजरात की सियासत में हार्दिक पटेल और जिग्नेश मेवाणी का अपना सियासी कद है. हार्दिक पाटीदार आरक्षण आंदोलन का चेहरा थे और 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का दामन उन्होंने थाम लिया था. जिग्नेश मेवानी ने गुजरात में दलित नेता के तौर पर अपनी पहचान बनाई है।

श्री महेंद्र कुमार पटेल को डॉक्टर आफ फिलासफी की उपाधि प्रदान की गई

भोपाल युवा प्रदेश नेटवर्क

महेंद्र कुमार पटेल को ही पीएचडी अवार्ड शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीना में सहायक प्राध्यापक विधि के पर पदस्थ डॉक्टर महेंद्र कुमार पटेल को न्यायपालिका की भूमिका कैदियों के अधिकार के बारे में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा डाक्टर आफ फिलासफी की उपाधि प्रदान की गई डॉ महेंद्र कुमार पटेल ने अपना अधयापन के की शुरुआत इंदौर के निजी विधि महाविद्यालय से शुरू की फिर कैरियर कॉलेज आफ ला भोपाल में एवं 2017 से नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद में सेवाएं देने के पश्चात बीना में 2021 में पदस्थ हुए उन्होंने अपना शोध कार्य विद्वान प्रोफेसर डॉक्टर रोमा मुखर्जी प्राध्यापक विधि राज्य स्तरीय विधि महाविद्यालय भोपाल के कुशल मार्गदर्शन में पूर्ण किया डॉक्टर पटेल ने अपने विधि स्नातक की उपाधि भी सन 2000 में विश्वविद्यालय में पांचवां स्थान प्राप्त कर उत्तीर्ण की थी आपके द्वारा लिखित एवं प्रकाशित पुस्तकों को पढ़ कर अनेक विधि के छात्र विभिन्न सेवाओं में सिविल जज एवं शासकीय अधिवक्ता के रूप में चयनित हुए। वर्ष 2009 में इंदौर में गुर्जर विकास समिति द्वारा पटेल को गुर्जर संचार अवार्ड से सम्मानित किया गया एवं तात्कालिक मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री रुस्तम सिंह द्वारा उत्कृष्ट लेखन कार्य हेतु भी सम्मानित किया गया आपने विभिन्न संस्थानों के मंच पर अपने शोध पत्र का वाचन किया एवं विभिन्न जनरल्स में

ग्राम एवं जिले को गौरवान्वित करने वाली है डॉक्टर पटेल वरिष्ठ समाज सेवी श्री चंपालाल पटेल माता श्रीमती शांति पटेल के सुपुत्र हैं आप अंबिका पटेल और संतोष पटेल के छोटे भाई हैं डॉक्टर पटेल ने अपने शोध कार्य पूर्ण करने पर अपनी उपलब्धि का श्रेय ईश्वर की असीम कृपा एवं माता-पिता एवं सभी पारिवारिक सदस्यों के समर्पण एवं सहयोग को दिया इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई देने वालों में राजकुमार पटेल ,नन्हेलाल पटेल, सुरेश पटेल ,मधुसूदन पटेल ,शीतल दास पटेल ,डॉक्टर सुंदरलाल रायखेरे ,विष्णु पटेल रामविलास गुर्जर बालसखा मित्र मंडल, डा एम एल सोनी , डॉक्टर रेखा गुप्ता , डा मुकेश निरंजन,डॉक्टर राकेश पांडे, प्रोफेसर उमाशंकर, तिवारी डॉ राजीव शर्मा,डॉक्टर जोशी, डा बी पी तिवारी प्रोफ़ेसर जितेंद्र खंडेराव,प्रो.राजीव सिंह प्रोफेसर सुदीप साकेत प्रो राकेश चौरासे,एवं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीना एवं शासकीय विधी महाविद्यालय आगर मालवा एवं शासकीय नर्मदा महाविद्यालय होंशंगाबाद के स्टाफ की ओर से बधाई दी गई।

विधि के क्षेत्र में उपलब्धि

हिंसा की जांच करने वाले DIG का ट्रांसफर

मंत्री के बेटे को गिरफ्तार करने वाले उपेंद्र अग्रवाल को हटाया, पांच IG भी बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन ने गुरुवार देर रात 6 IPS अफसरों के ट्रांसफर किए हैं। इसमें सबसे अहम नाम DIG उपेंद्र अग्रवाल का है। वे लखीमपुर हिंसा की जांच कर रही टीम के प्रमुख थे। उन्होंने हिंसा के मुख्य आरोपी और गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष को गिरफ्तार किया था। लखीमपुर IG रेंज लखनऊ में आता है। अब उन्हें यहां से हटाकर देवीपाटन मंडल का DIG बनाया गया है। कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर खीरी कांड की जांच में देरी पर क्र सरकार को फटकार लगाई थी। जांच की जिम्मेदारी उपेंद्र अग्रवाल पर थी। हालांकि, अब जांच टीम का प्रमुख कौन होगा? उपेंद्र अग्रवाल ही करेंगे या नहीं इसे लेकर शासन ने स्थिति साफ नहीं की है। चर्चा ये भी है कि ये ट्रांसफर चुनाव आयोग की उस सख्ती को लेकर है कि जिसमें आयोग ने तीन साल से ज्यादा समय से एक जगह तैनात अफसरों को हटाने के निर्देश दिए हैं।

हरिजन, शब्द का प्रयोग करना क्या अपराध होता है जानिए/Indian law...

बहुत से सरकारी स्कूल, छात्रवासों, कॉलेज या समाचार पत्रों में हम देखते हुए की हरिजन छात्रावास, हरिजन आदिवासी स्कूल, हरिजन बस्ती आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है क्या हरिजन शब्दों का प्रयोग करना कोई अपराध होता है या नहीं बताते हैं आज के लेख में हम।

क्या है कानून जानिए-?

भारत के राष्ट्रपति ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के पत्र क्रमांक 17020/64/2010/SCD(RL CELI) के माध्यम सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को सर्कुलर जारी कर हरिजन, शब्द के सरकारी कामकाज में इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगाने के आदेश दिए हुए हैं।

हरिजन शब्द पर सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण जजमेंट-

मंजू सिंह बनाम ओंकार सिंह आहलूवालिया(24/03/2017)-

उक्त मामले में उच्चतम न्यायालय ने हरिजन शब्द के इस्तेमाल पर दर्ज हुए मुकदमे में हाईकोर्ट द्वारा SC-ST एक्ट,1989 की धारा 18 में अग्रिम जमानत पर प्रतिषेध के बावजूद जमानत दिए जाने के आदेश को खारिज करते हुए हरिजन शब्द के इस्तेमाल पर कड़ी टिप्पणी की एवं बैच ने कहाँ की हरिजन शब्द का प्रयोग उच्च जाति के लोगों द्वारा अनुसूचित जाति के लोगों को नीचा दिखाने व अपमानित करने के लिए किया जाता है। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहाँ की हरिजन शब्द का प्रयोग करना अपमान जनक के साथ-साथ आपराधिक भी हैं। इसलिए इस तरह के मामलों में अपराधी को अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहाँ की हरिजन शब्द का इस्तेमाल जानबूझकर एक विशेष जाति को नीचा दिखाने व अपमानित करने के लिए किया जा रहा है।

हरिजन शब्द का प्रयोग करने पर किस धारा में एफआईआर दर्ज होगी-?

अगर कोई उच्च वर्ग का व्यक्ति किसी SC के व्यक्ति को नीचा दिखाने के लिए हरिजन शब्द का प्रयोग करता हैं या सरकारी कार्यालय, कामकाज, परिसर आदि में इसका प्रयोग होता है तब उनके खिलाफ SC-ST एक्ट,1989 की धारा 3(1) आर, एस, यू, एवं भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 295 (), व 505 के अंतर्गत मामला दर्ज होगा। इस अपराध में कम से कम पांच वर्ष की सजा हो सकती है।

नोट- गृह मंत्रालय(अब कल्याण मंत्रालय) द्वारा अपने पत्र क्रमांक 12025/17/82-SCD,BCD-4/1दिनांक 19/10/1982 के तहत तत्कालीन शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय(अब मानव संसाधन विकास) को किये अनुरोध पर स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्रों पर हरिजन तथा गिरीजन शब्दों की बजाय SC(अनुसूचित जाति) एवं ST(अनुसूचित जनजाति) शब्द के प्रयोग करे।

लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश में 13.95 लाख बिजली उपभोक्ता शिकायत निवारण से संतुष्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश के ताप विद्युत संयंत्र कोयला संकट के दौर से भले ही गुजर रहे हों, पर मैदानी व्यवस्थाएं बनाने और शिकायतों का निराकरण तेजी से करने का दावा ऊर्जा विभाग कर रहा है। विभाग का दावा है कि 98.67 लाख उपभोक्ता की शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। यह स्थिति शिकायतकर्ताओं से लिए फीडबैक के आधार पर सामने आई है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के मुताबिक शिकायतों के निराकरण की औसत अवधि भी कम हुई है। यह अवधि पिछले साल एक घंटा 31 मिनट थी, जो अब एक घंटा 16 मिनट रह गई है। केंद्रीयकृत काल सेंटर, इंटरनेट मीडिया और अन्य माध्यमों से अप्रैल 2020 से सितंबर 2021 तक विभाग को 48 लाख 45 हजार शिकायतें मिली हैं। इनमें से 13 लाख 95 हजार शिकायतकर्ताओं से फीडबैक लिया गया है। चर्चा में इन उपभोक्ताओं ने शिकायतों के निराकरण के लिए विभाग की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना की है। मंत्री कहते हैं कि विभाग की सेवा से असंतुष्ट उपभोक्ताओं से मैदानी अधिकारी व्यक्तिगत संपर्क कर समस्या का निराकरण कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न् क्षेत्रों में 7,556 शिविर आयोजित कर 53 हजार 830 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया है। इतना ही नहीं, मंत्री और मैदानी अधिकारी सीधे उपभोक्ताओं से चर्चा कर शिकायतों का निराकरण कर रहे हैं। मंत्री ने बताया कि बिजली लाइनों और उपकरणों के रखरखाव के लिए मानक संधारण प्रक्रिया लागू की गई है।

प्रज्ञा ठाकुर ने पूर्व मंत्री को रावण कहा

बोलीं- एक विधायक है शर्मा, बुढ़ापे में सच बोलना नहीं सीखा; रावण बनोगे तो वध करना पड़ेगा

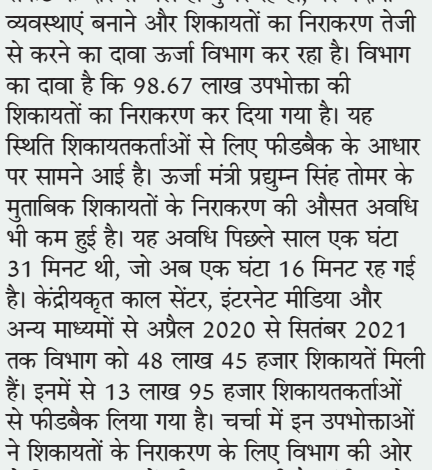

भोपाल। भोपाल सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने पूर्व मंत्री और विधायक पीसी शर्मा और पूर्व ष्टरूदिग्विजय सिंह को जमकर निशाने पर लिया। उन्होंने पीसी शर्मा का नाम लिए बगैर कहा कि एक विधायक है शर्मा। बुढ़ापा आ गया, लेकिन सच बोलना नहीं सीखा। मैं कहती हूं बुढ़ापे में तो आदमी सुधार जाए। ब्राह्मण कुल में जन्म लिया तो ब्राह्मण बने रहो, रावण बनोगे तो वध करना पड़ेगा। क्या करेंगे राम जी। मजबूरी हो जाएगी। महिला का अनादर करोगे, अपमान करोगे तो प्रभु राम को सीता मैया को लाने के लिए रावण का वध करना ही पड़ेगा। प्रज्ञा ठाकुर शरद पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल गणेश चौक टीलारामपुरा पर महाआरती में शामिल होने आई थीं। उन्होंने कहा कि न्याय नारी शक्ति को मिलेगा। तुम्हारे प्रपंच करने से कुछ होने वाला नहीं है। तुम प्रपंच करके थोड़ी बहुत शान शौकत दिखा लोगे, जो जैसा कर्म करेगा उसे वैसा फल मिलेगा। यह सुनिश्चित है, इसलिए कह रहे हैं कि सुधार जाओ। नारी शक्ति को बदनाम करने के लिए तुम्हें दंड कुदरत ही देगी। यह प्रकृति ही देगी। जीने लायक नहीं छोड़ेगी। कांग्रेस ने भगवा को ही आरोपित कर दिया, जिनको लोकसभा चुनाव में ऐसा जवाब दिया कि आज भी पूरा देश कहता है कि भोपाल के लोग बहुत समझदार और देशभक्त है। विधर्मियों को करारी चोट देना आपके ही वश में है और एक भगवाधारी को भोपाल में स्थापित कर दिया।

विदिशा में 100 करोड़ को टीका

टीकाकरण अभियान बन गया आंदोलन लोगों में टीका के प्रति जागरूक अभियान जोरो पर

विदिशा युवा प्रदेश नेटवर्क

कोरोना महामारी से बचाव के लिए देश ने गुरुवार को कोरोना टीकाकरण में सौ करोड़ का आंकड़ा पूरा कर लिया। जिसका जश्न टीकाकरण केंद्रों पर मनाया गया। भाजपा ने इस मौके पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सम्मान कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिले में यह अभियान एक आंदोलन के रूप में चला, जिसका परिणाम यह रहा कि जिले में अब तक 93 फीसद लोग पहला टीका लगवा चुके है। कोरोना से बचाव के लिए जब टीकाकरण की शुरुआत हुई थी, तब सरकारी अमले में तक डर का माहौल था। सरकारी अमला कोरोना का टीका लगवाने से बचता था, लेकिन धीरे धीरे जागरूकता आई। जिसके कारण कर्मचारियों ने टीके लगवाए। इसके बाद आम लोगों के लिए टीकाकरण शुरू हुआ तो शहरों में केंद्र सुने पड़े रहते थे। पढ़े लिखे लोग भी कोरोना का टीका लगवाने को तैयार नही होते थे। आपसी समझाइश के बाद शहरों में टीकाकरण में तेजी आई लेकिन गांवो में टीकाकरण काफी चुनोतिपूर्ण था। कुछ गांवो

में सरकारी अमले के साथ अभद्रता तक की गई, लेकिन स्वास्थ्य अमले ने सूझबूझ का परिचय देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास नही छोड़ा। कोरोना की दूसरी लहर के बाद तो माहौल पूरा बदला नजर आया। केंद्रों पर वैक्सीन कम पड़ गई लेकिन केंद्रों पर लोगों की कतार कम नही हुई।

तीसरी लहर का आशंका के बीच जिले में वर्तमान में रह रहे 93 फीसद लोग कोरोना का पहला टीका लगवा चुके है।अब सात फीसद में बीमार, गर्भवती माताएं और पलायन कर चुके लोग बचे है। इस अभियान को आंदोलन बनाने में सामाजिक संस्थाओं, धर्मगुरुओं, समाजसेवियों, राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं का भी बड़ा योगदान रहा।जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग कम समय मे अधिक टीकाकरण कर पाया।

भेल टाउनशिप की नहीं बनीं सड़कें, परेशान हो रही सवा लाख आबादी

भोपाल। भेल टाउनशिप की सड़कें बदहाल हो गई हैं। सड़कों से डामर पूरी तरह गायब हो गया है। मुख्यमार्गों से लेकर भीतरी सड़कों पर आवाजाही करना दूभर हो रहा है। ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर गुजरते वाहनों की वजह से दिनभर धूल उड़ती रहती है। बदहाल सड़कों से लगभग सवा लाख आबादी प्रभावित हो रही है।

आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भेल दशहरा मैदान से आइटीआइ पहुंच मार्ग, अन्ना नगर से महात्मा गांधी चौराहा, पिपलानी, बरखेड़ा के मुख्य मार्ग बदहाल हैं। सड़कों पर 10 से 15 फीट लंबे और आधा फुट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं। इससे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ जाती है। बारिश बंद होने के बाद इन बदहाल सड़कों पर रोज धूल के गुबार उड़ रहे हैं। इससे आने-जाने लोग

परेशान होते हैं। बदहाल सड़कों की मरम्मत कराने के लिए भेल यूनियनों सहित आवाजाही करने वाले लोग कई बार भेल प्रबंधन के अधिकारियों से लेकर भेल नगर प्रशासन के अफसरों से शिकायत कर चुके हैं। इसके बाद भी सड़कों की मरम्मत नहीं हो सकी। भेल टाउनिशप की 25 हजार आबादी है और यहां की सड़कों से रोजाना भेल टाउनशिप से लगी कई कॉलोनियों की एक लाख आबादी आना-जाना करती है। बदहाल सड़क होने से सवा लाख की आबादी रोजाना परेशान होती है। इस संबंध में भेल के वरिष्ठ प्रवक्ता राघवेंद्र शुक्ल ने बताया कि भेल टाउनशिप की सड़कों पर शहर के अन्य लोग भी आना-जाना करते हैं।

भोपाल में फीवर क्लीनिकों में जांच कराने वाले दस दिन में 40 फीसद तक घटे

भोपाल। लोगों में अब कोरोना का डर कम हो गया है। यही वजह है कि पहले के मुकाबले अब कम लोग जांच कराने के लिए फीवर क?लीनिकों में पहुंच रहे हैं। 10 दिन तक पहले तक शहर के 47 फीवर क्लीनिकों में हर दिन औसतन 1600 लोग जांच कराने के लिए पहुंच रहे थे, लेकिन अब यह आंकड़ा एक हजार से नीचे है। जिले में बुधवार को कोरोना के 5300 सैंपल

की जांच में सिर्फ तीन मरीज मिले हैं। करीब 20 दिन बाद ऐसी स्थिति बनी है जब सिर्फ तीन मरीज मिले हैं। अभी तक रोज चार- पांच मरीज मिल रहे थे। सैंपलों की संख्या भी कम हुई है। करीब 10 दिन पहले तक छह हजार सैंपल की जांच हर दिन की जा रही थी, लेकिन अब करीब पांच हजार सैंपल ही जांचें जा रहे हैं। इनमें 800 सैंपल की जांच फीवर क्लीनिक में हो रही है। बाकी सैंपल रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर औचक सैंपलिंग कर लिए जा रहे हैं।

मप्र में टाइगर्स की गिनती में नया प्रयोगः जिस यूरिन स्प्रे से टाइगर अपनी टेरेटरी बनाते हैं, वनकर्मियों को इस बार उसे सूंघना होगा

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार टाइगर्स की गिनती बहुत ही बारीक तरीके से होगी यानी गिनती में टाइगर्स की हर उस छोटी से छोटी गतिविधि को शामिल किया जाएगा, जिससे उनकी मौजूदगी का सही प्रमाण मिल सके। इन तरीकों में एक सबसे अजीब तरीका शामिल किया गया है, वो है- टाइगर्स की यूरिन को सूंघना। जी हां। इस बार बाघों की गिनती में लगे वन कर्मियों और वॉलेंटियर्स को बाघों के पगमार्क, विष्ठ प्रमाण, पेड़ों पर खरोंच के साथ-साथ उनकी यूरिन स्प्रे को भी ढूंढकर सूंघना होगा और उसकी गंध को फार्म में लिखना होगा। वन विभाग का अनुमान है कि अभी प्रदेश में 526 बाघ हैं, इस बार की गणना के बाद इनकी संख्या बढ़कर 700 से भी ज्यादा हो सकती है। इसकी वजह है- असंरक्षित क्षेत्रों में बाघों की

संख्या बढ़ना। पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ आलोक कुमार के मुताबिक नए तरह की गणना के लिए मैदानी अमले को ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्हें बाघ की दहाड़, उसके शरीर से निकलने वाली गंध, यूरिन स्प्रे, यूरिन से बने ब्लैक स्पॉट को भी पहचानना सिखाएंगे। यह ट्रेनिंग भोपाल वन मंडल में गुरुवार सुबह 10 बजे केरवा चौकी पर होगी।

कर्नाटक से टक्कर, इसलिए एक-एक टाइगर को ढूंढने का टारगेट

बता दें कि अपने देश में सर्वाधिक बाघ मप्र में हैं। दूसरे नंबर पर कर्नाटक है, जहां 524 बाघ हैं। इस बार दोनों राज्यों में टक्कर है।

नर्मदा तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन

नर्मदापुरम (होशंगाबाद)। कोरोना पर हो रहे नियंत्रण से लोगों की भीड़ हर पर्व पर बढ़ती जा रही है। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मां नर्मदा तट के सभी घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था।

नर्मदा के किनारे और घाट सहित मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होते रहे। सुबह से ही स्नान किया जाने लगा था वहीं शाम को सूर्यास्त होते ही जलधारा में कई महिलाओं ने दीपदान किए। मंदिरों में भी पूजन अर्चन किए जा रहे थे। इस मौके पर कई लोगों ने घाटों पर भगवान सत्यनारायण की पूजन अर्चन और कथा कराई। कई श्रद्धालुओं ने अपने परिवारों के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। दरिद्रनारायणों को दान पुण्य किए।

शुरू हुआ कार्तिक स्नान का क्रमः कार्तिक माह में पूरे महिने भर चंद्रमा की रोशनी में ब्रह्म मुहूर्त में नर्मदा जी में स्नान का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी के चलते शहर के सभी प्रमुख घाटों पर सुबह से ही स्नान का क्रम शुरू हो गया है।

ग्राहकों को टैक्स की राशि भरकर दिए डमी चैक

पेट्रोल, डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ युकां ने किया विरोध प्रदर्शन

सागर। देश में लगातार बढ़ती पेट्रोल डीजल की कीमतों के विरोध में बुधवार को युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राहुल चौबे के नेतृत्व में डिंपल पेट्रोल पंप पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पेट्रोल एवं डीजल पर लगाए जा रहे भारी भरकम टैक्स के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा जा लगाए जा रहे भारी भरकम टैक्स की राशि को डमी चैक में भरकर पेट्रोल पंप पर आए हुए ग्राहकों को दिए। इस दौरान सागर युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष राहुल चौबे ने कहा कि देश में प्रतिदिन पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि की जा रही है जिसमें केंद्र सरकार का और राज्य सरकार का भारी भरकम टैक्स लगभग 65 शामिल है। मोदी जी जब 2014 में प्रचार कर रहे थे तो जनता को अच्छे दिनों का सब्जबाग दिखाकर काफी सारे चुनावी वादे किए थे जिनमें पेट्रोल डीजल की कीमतों को घटाने का भी जिक्र था जो आज एक जुमला साबित हुआ है वर्तमान समय में बढ़ती हुई महंगाई से आम जनजीवन वैसे ही त्रस्त है और दिन प्रतिदिन पेट्रोल डीजल की कीमतों में वृद्धि कर सरकार द्वारा जनता के जले पर नमक छिड़कने के समान है देश की जनता अब इस सरकार को आने वाले समय में अपने वोट की चोट से करारा जवाब देगी। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप शरद पुरोहित, महेश जाटव, सिंटू कटारे, जितेन्द्र चौधरी, राहुल गर्ग, विकास तिवारी, सुभाष यादव, रोहित मांडले, तरुण कोरी, आनंद अहिरवार, शहजाद निहारिया, गौरव घोषी, श्रीकांत विश्वकर्मा आदि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

स्वीकृत पी एम स्वनिधि के प्रकरणों की राशि शीघ्र जारी करें बैंकर्सः निगमायुक्त

सागर। नगर निगम आयुक्त आर पी अहिरवार ने दोहपर पं.मोतीलाल नेहरू उमाशाला पहुॅचकर वहॉ स्वरोगार एवं पी एम स्वनिधि योजनान्तर्गत किये जा रहे ऑनलाईन पंजीयन की जानकारी ली तथा वहीं शहर के बैंक मैनेजरों की बैठक लेकर दीपावली त्यौहार के पूर्व बैंकों के लंबित स्व रोजगार योजना एवं पी एम स्वनिधि योजना के स्वीकृत प्रकरणों की राशि जारी करने के निर्देश दिये। ताकि दीपावली के पूर्व वह हितग्राही स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर सकें।बैठक में उन्होने बैंक मैनेजरों को निर्देश दिये कि बैंकों में जो स्वरोजगार एवं पी एम स्वनिधि योजना के जो भी स्वीकृत प्रकरण है उन हितग्राहियों को अभी तक राशि जारी नहीं की गई है तो वह राशि शीघ्र वितरित करें इसी प्रकार पी एम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ब्याजमुक्त रू. 10 हजार के ऋण लेने हेतु पथ विक्रेताओं के भी नये पंजीयन प्रारंभ किये जाय साथ ही जिन हितग्राहियों द्वारा पूर्व में ली गई रू 10 हजार की ऋण राशि जमा कर दी गई है वह भी रू 20 हजार की ऋण राशि लेने हेतु ऑनलाईन आवेदन जमा कर सकते है।बैठक एन यू एम एम सिटी मैनेजर सचिन मसीह, संजय तिवारी सहित शहर के बैंक मैनेजर उपस्थित थे।

सेवा भाव के रूप में मनाया ईद मिलादुन्नबी

राहतगढ़। देशभर में मुस्लिम समाज की ओर से ईद मिलादुन्नबी के मौके पर मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सागर जिले के राहतगढ़ में भी वसीम खान संभागीय प्रभारी राष्ट्रीय मुस्लिम अल्पसंख्यक कल्याण संगठन के नेतृत्व में ईद मिलादुन्नबी सेवा भाव के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राहतगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर की गई उसके बाद नगर के विभिन्न गरीब और मजबूर व्यक्तियों को राशन किट प्रदान की गई जिसमें समाज बंधुओं ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने देश में अमन चैन की दुआएं मांगी। जानकारी देते हुए वसीम खान ने बताया ईद मिलादुन्नबी के दिन हम सभी को जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए आज का दिन प्रेम और शांति सद्भाव का पैगाम देता है।

बाजार की राह हुई आसान, ग्राहकी ने पकड़ी रफ्तार

विदिशा। त्योहार से पहले शहर के मुख्य बाजार में चार पहिया वाहनों की रोक ने खरीदारों की राह आसान कर दी है। इधर, करवाचौथ और

दिवाली को लेकर ग्राहकी की रफ्तार भी बढ़ गई है। अब लगातार दिवाली तक शुभ संयोगों के चलते व्यापारी अच्छे कारोबार की उम्मीद लगाए बैठे है। शहर में हर साल त्योहार आते ही बाजार में घुसना मुश्किल हो जाता था।अव्यवस्थित यातायात के कारण व्यापारियों से लेकर ग्राहकों तक को खरीदारी में भारी परेशानी होती थी। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने इस बार हफ्ते भर पहले से ही शहर के मुख्य बाजार माधवगंज से बड़ा बाजार तक यातायात व्यवस्था मजबूत कर दी है। सुबह से रात 10 बजे तक बाजार क्षेत्र में चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है। इसकी निगरानी के लिए पुलिस के 14 जवान लगाए गए है। जगह जगह स्टापर रख दिये है तंकी बड़े वाहन बाजार क्षेत्र में न घुस सके। इस व्यवस्था के कारण बाजार में जाम की स्थिति नही बन रही है।व्यापारी इस व्यवस्था से खुश है वही ग्राहकों को भी खरीदारी में आसानी हो गई है।

नगर निगम आयुक्त ने सीवर लाईन बिछाये जाने हेतु रेल्वे ब्रिज के पास स्थल निरीक्षण किया

सागर। नगर निगम आयुक्त आर पी अहिरवार ने सहायक यंत्री संजय तिवारी सुधीर मिश्रा एवं सीवर प्रोजेक्ट मैनेजर विजय कटम्बर के साथ निगम एवं सीवर प्रोजेक्ट के अधिकारियों के साथ राहतगढ़ बसस्टेण्ड रेल्वे क्रांसिंग एवं अप्सरा रेल्वे ब्रिज के पास रेल लाईन नीचे से निकलने वाली सीवर लाईन के स्थान का निरीक्षण किया और सीवर प्रोजेक्ट के अधिकारियें से सीवर लाईन डालने की अनुमति हेतु जो भी आवश्यक कार्यवाही की जाना है उसको शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

माइंडफुल एंटरप्रेन्योरशिपः द न्यू एज ऑफबिजनेस

सागर। शहर में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए सागर स्मार्ट सिटी द्वारा स्पार्क इनक्यूबेशन सेन्टर को स्थापित किया गया जिसके अंतर्गत स्पार्क इनक्यूबेशन सेंटर के द्वारा मंगलवार को वेबिनार सत्र का आयोजन किया गया एसत्र के मुख्य अतिथि साइकोलॉजिस्ट, इंटरनेशनल ट्रेनर एवं मोटिवेशनल स्पीकर पंकज राय जी रहे ।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पंकज राय ने स्टार्टअप के बारे में समझाते हुए बताया कि एक बिजनिस को माइंडफुल्नेस्स के साथ किस तरह सफल बनाया जा सकता है साथ ही कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री राय ने बताया की एक माइंडफुल इंटरप्रेन्योर हर उस अवसर पर ध्यान देता है और जागरूक होता है जिससे वह अपने उद्देश्य और लक्ष्यों को पाने में सफल हो सके और साथ ही अपनी क्षमताओं और सीमाओं को स्वीकार कर आगे बड़े। साथ ही माइंडफुल इंटरप्रेन्योर विचारक होते हैं ए वे अपने दिमाग में सोचनेए रणनीति बनाने रचनात्मक होने और नए विचारों के साथ आने में बहुत शक्षम होते हैं।साथ ही श्री राय ने बताया की एक सफल इंटरप्रेन्योर को मोटिवेटेड होना जरूरी होता है साथ ही में सक्रिय रूप से अनावश्यक विकर्षणों से बचने की कोशिश करना भी जरूरी होता हैण् एक इंटरप्रेन्योर के अंदर कुछ स्किल्स होना आवश्यक होते है जैसे की बिजनेस मैनेजमेंट स्किल, रिस्क.टेकिंग स्किलए नेटवर्किंग स्किलए प्रॉब्लम सॉल्विंगए थिंकिंग स्किल इत्यादि। एक बिजनेस को सफल बनाने के लिए लोगो से संपर्क बनाना बहुत महत्पूर्ण होता है, इसके लिए कुछ बिन्दुओ को ध्यान रखना जरूरी होता है सबसे पहले लोगों को आकर्षित करने की आपकी क्षमता है। दूसरा आपकी पहुंच की क्षमता है ये दो गुण एक सकारात्मक दृष्टिकोण बनाते हैंए जो एक मास्टर नेटवर्कर के शीर्ष लक्षणों में से एक है। सत्र का समापन करते हुए श्री राय नेचैन जैसे उदाहरण दिए और बताया किस तरह एक सफल बिजनेस बनाया जा सकता है सकारात्मक सोच और माइंडफुल ऐटिट्यूड् के साथ।

पटनदेव हनुमान मंदिर पर होगा खीर का वितरण

शरद पूर्णिमा आज मंदिरों में बटेगीं खीर,होगा रात्रि-जागरण

रायसेन। बुधवार को अश्विन मास की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा मनाई जाएगी,मंदिरों और घरों में होगी पूजा-आर्चना। वही शरद पूर्णिमा के पर्व पर मंदिरों में खीर का वितरण किया जाएगा। शरद पूर्णिमा के मौके पर रायसेन के पटनदेव में स्थित हनुमान मंदिर पर खीर का वितरण किया जाएगा,जिससे दमा के रोगीओं को फायदा मिलेगा।

इस साल पूर्णिमा 19 अक्टूबर को भी थी,लेकिन हिंदू पंचांग में तारीख को लेकर भेद है। इस लिए कई स्थानों पर 20 अक्टूबर बुधवार को भी ये त्योहार मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को राज पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस दिन रात्रि जागरण और चांदनी रात में रखी खीर को सुबह भोग लगाकर खाने का विशेष महत्व है। मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात्रि माता लक्ष्मी धरती पर आती है। माना जाता है कि इस रात को लक्ष्मी की पूजा करने से

भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी होती है। वह सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होती है। वहीं इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। शरद पूर्णिमा शुभ मुहूर्त शरद पूर्णिमा 19 अक्टूबर शाम 07 बजे से शुरू होकर 20 अक्टूबर रात्रि 08 बजकर 20 मिनट पर समाप्त होगी।

शरद पूर्णिमा के दिन खीर क्यों बनाते है

शरद पूर्णिमा की रात खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे रखी जाती है। इसके पीछे वैज्ञानिक है कि दूध में लैक्टिक एसिड होता है। यह चांद की तेज रोशनी में दूध के बैक्टिरिया को बढ़ाता है। वह चांदी के बर्तन में रोग-प्रतिरोधक बढ़ाने की क्षमता होती है। इस लिए खीर को चांदी के बर्तन में रखें। पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की रोशनी सबसे तेज होती है।

इस कारण खुले आसमान में खीर रख उसका सेवन करना सेहत के लिए फायदेमंद है। वही शरद पूर्णिमा के बाद सर्दी का अहसास होने लगता है। मान्यताओं के अनुसार शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से संपूर्ण होकर पृथ्वी पर अपनी अमृत वर्षा करता है। इस रात खुले आसमान में खीर बनाकर रखने व दूसरे दिन उसके सेवन किया जाता है। कहा जाता है कि खीर अमृत समान होती है। शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी की उपासना भी फलदायक होती है। ब्रह्मकमल भी इसी रात खिलता है।

रामनिवास दुबे तहसील अध्यक्ष निर्वाचित

पदाधिकारी चयन के लिए बैठक का किया आयोजन

सिलवानी। मप्र शिक्षक संघ की सिलवानी तहसील इकाई का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष राम निवास दुवेए,सचिव बलवंत सिंह धाकड़,कोषाध्यक्ष बैजनाथ राम ,उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू को नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त राजेंद्र कुमार शाह,पंकज भार्गव,लखन सिंह रघुवंशी,देवी सिंह कुर्मी,संदीप भार्गव,हरिनारायण को भी सर्वसम्मति से समिति में शामिल किया गया। आयोजित बैठक में जिला उपाध्यक्ष रघुवीर प्रसाद साहू एवं विकास खंड अध्यक्ष रेवाराम विशेष रुप से उपस्थित है श्री साहू ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिला इकाई द्वारा नियुक्त निर्वाचन अधिकारी आरआर सिंह ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को छात्र हित एवं शिक्षक हित पर कार्य किए जाने प्रेरित किया। निर्वाचन में गिरीश शर्मा पर्यवेक्षक के रुप में उपस्थित रहे ।

दूसरा डोज के लिए जिले में 22व 23अक्टूबर कोवैक्सीनेशन महाअभियान

रायसेन। जिले में कोविड संक्रमण से बचाव हेतु लोगों को कोविड वैक्सीन की द्वितीय डोज लगाए जाने हेतु 22 तथा 23 अक्टूबर को

महाअभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर अरविन्द कुमार दुबे द्वारा अधिकारियों को वैक्सीनेशन महाअभियान में अधिक से अधिक लोगों को द्वितीय डोज लगाए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। जिले में स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही पंचायत भवनों और शासकीय शालाओं में भी वैक्सीन लगाई जाएगी। वैक्सीनेशन सेंटर्स पर पंजीयन हेतु शिक्षा विभाग के अमले की ड्यूटी लगाई जाएगी। कलेक्टर श्री दुबे द्वारा जिले में विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित कर वैक्सीनेशन सत्र आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं जहां अधिक संख्या में लोग वैक्सीन की दूसरी डोज से छूटे हुए हैं। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने कार्यालय के सभी अधीनस्थ सभी अमले को शत् प्रतिशत वैक्सीनेटेड कराएं। इसके साथ ही नोडल प्राचार्य स्वामी विवेकानंद कॉलेज सहित जिले के सभी कॉलेजों से समन्वय कर महाविद्यालयों में अध्ययनरत 18 वर्ष से अधिक आयु के द्वितीय डोज हेतु पात्र समस्त छात्र-छात्राओं का वैक्सीनेशन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

सैंट्रल बैंक के प्रबंधक सुनील सोन्हिया को मिला,भारत भूषण सम्मान शुभचिंतकों ने दी बधाई

रायसेन। नीति आयोग डिजिटल इंडिया एवं आईएसओ द्वारा प्रमाणित,भारत सरकार से पंजीकृत संस्था नेशनल एंटी हरासमेंट फाउंडेशन के तत्वाधान में होटल आदित्य रेसिडेंसी में भारत भूषण सम्मान 2021 का आयोजन किया गया। आयोजक प्रतिभा वाईकर एवं शुभम विद्याशिव चौरसिया ने बताया कि खेल,डांस,शिक्षा चिकित्सा,कला,संस्कृति फिल्म ,टीवी ,थिएटर, समाज सेवा जैसी 27 विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाली देश की 105 प्रतिभाओं को भारत भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। उक्त प्रतिभाएं 19 राज्यों से चयनित की गई थी,जिसमें रायसेन सेन्ट्रल बैंक प्रबंधक ,वरिष्ठ रंगकर्मी अभिनेता,शॉर्ट मूवी निर्देशक सुनील सोन्हिया को भारत भूषण सम्मान 2021 से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जाने-माने फिल्म अभिनेता अहमद खान उपस्थित थे।

नगर में खाद्य पदार्थ बेचने वालों को पंजीकरण नंबर लिखना अनिवार्य

1 अक्टूबर से आदेश जारी,लेकिन नगर में आदेश का नहीं हो रहा पालन

बाड़ी। नगर एवं क्षेत्र में खाद्य पदार्थ बेचने के लिए बिल कैश मेमो या रसीद पर फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड ऑफ इंडिया का पंजीकरण नंबर लिखना अनिवार्य किया गया है।

बिना इसके खाद्य पदार्थ नहीं बेचे जा सकेंगे। सरकार के द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए लिए जाने वाले इस निर्णय का सीधा सीधा फायदा ग्राहक को होगा ताकि खराब माल निकलने पर उपभोक्ता एफएसएसआई के आधार पर अपनी शिकायत दर्ज करा सके। जिसके लिए पूर्व से ही खाद्य एवं औषधि विभाग के द्वारा नगर के खाद्य विक्रेताओं को जागरूक एवं इस विषय में जानकारी दी जा चुकी है बावजूद इसके आज भी नगर में खाद्य विक्रेताओं के द्वारा इस प्रक्रिया का उपयोग नहीं किया जा रहा। बता दें कि ग्राहकों की सुविधा के लिए यह

व्यवस्था 1 अक्टूबर से अनिवार्य रूप से लागू हो जानी चाहिए थी किंतु नाही विक्रेताओं के द्वारा इस ओर ध्यान दिया गया और ना ही संबंधित विभाग के द्वारा आदेश देने के बावजूद कभी पीछे मुड़कर देखने की जहमत नहीं उठाई ।

त्योहार के दौरान ही देखे जाते हैं अधिकारी:- आने वाले दिनों में दीपावली पर्व के आते ही खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा नगर के होटल मिठाई रेस्टोरेंट और किराना व्यवसायियों के यहां पर कार्रवाई के नाम पर सैंपलिंग की जाएगी जबकि नियमानुसार यदि खाद्य एवं औषधि विभाग के द्वारा वर्ष के 12 महीने में यदि 12 बार भी यदि इमानदारी से कार्रवाई की जाती है तो मिलावटखोरों के अंदर कार्यवाही का डर बना रहेगा का एक डर बना रहेगा । लेकिन जांच के नाम पर की जाती है सिर्फ खानापूर्ति साथ ही कुछ एक दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजा जाएगाए जहां से परिणाम आने के बाद संबंधित दुकानों में कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है:-

सभी रेस्टोरेंट मालिकों को बोला है 14 डिजिट का एफएसएसआई पंजीयन लिखना अनिवार्य है पर उन्होंने लिखे नहीं 14 डिजिट का एफएस एस आई पंजीयन सभी के पास है पर उन्होंने लगाई नहीं है पुना हिदायत दी जाएगी,दुकानों पर जाकर खाद्य सामग्री का सैंपल लिया जाएगा।

कुदुसिया खान
खाद्य इंस्पेक्टर रायसेन

जिले में अब तक 1055.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रायसेन। जिले में 01 जून 2021 से 19 अक्टूबर 2021 तक 1055.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है जो कि गत वर्ष इसी अवधि में हुई औसत वर्षा से 369 मिलीमीटर कम है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू.अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 01 जून 2021 से 19 अक्टूबर 2021 तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 1006.4 मिलीमीटर,गैरतगंज में 1001.2, बेगमगंज में 1165, सिलवानी में 1007.6,गौहरगंज में 1137,बरेली में 914,उदयपुरा में 1337,बाड़ी में 882,सुल्तानपुर में 965.6 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 1142.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 19 अक्टूबर 2021 को प्रातः 08 बजे तक 08 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई।

इस दौरान वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 2.4,गैरतगंज में 13.2,बेगमगंज में 06,सिलवानी में 4.4,गौहरगंज में 0,बरेली में 09,उदयपुरा में 15,बाड़ी में 21,सुल्तानपुर में 0 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 9.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

संपादकीय

पायलट को करना पड़ेगा और इंतजार, गहलोत अगली बार भी CM खुद बनने की बात कहने लगे

रमेश सर्राफ धमोरा

पंजाब में घटे राजनीतिक घटनाक्रम से अशोक गहलोत को काफी मजबूती मिली है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के दौरान उन्होंने खुलकर कांग्रेस आलाकमान के समर्थन में बयान दिया ताकि आलाकमान उनको लेकर कड़ा रुख नहीं अपनाये। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की राजनीति में सशक्त होकर उभरे हैं। कुछ दिनों पूर्व ही पंजाब की सत्ता के फेरबदल हुआ था। उस दौरान राजस्थान की राजनीति के जानकारों को लगने लगा था कि अब गहलोत भी राजनीति में कमजोर पड़ जाएंगे। कांग्रेस पार्टी में कैप्टन अमरिंदर सिंह के बाद अगला निशाना अशोक गहलोत को ही बनाया जाएगा। मगर पंजाब कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा नाराज होकर अपने पद से इस्तीफा देने से कांग्रेस की राजनीति में अचानक ही बड़ा भूचाल आ गया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इन सब घटनाक्रम का जिम्मेदार गांधी परिवार को माना। कपिल सिब्बल, कैप्टन अमरिंदर सिंह, नटवर सिंह जैसे कई वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इन वरिष्ठ नेताओं का मानना था कि गांधी भाई-बहन की अपरिपक्वता के चलते ही पंजाब में अमरिंदर सिंह जैसे जनाधार वाले नेता को हटाया गया। वहां नवजोत सिंह सिद्धू जैसे कुछ साल पहले ही कांग्रेस में शामिल होने वाले पूर्व भाजपाई को पंजाब कांग्रेस की कमान देने से पार्टी कमजोर हुई है। पार्टी के पुराने वफादार नेताओं में इससे असंतोष व्याप्त हुआ है। वरिष्ठ नेताओं को लगने लगा है कि जिस तरीके से राहुल गांधी व प्रियंका गांधी काम कर रहे हैं। उसमें आने वाले समय में उनको भी राहुल, प्रियंका की राजनीति का शिकार बनाया जा सकता है। राजस्थान की राजनीति में भी पिछले डेढ़ वर्ष से जो घटनाक्रम चल रहा था। उसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद को असहज महसूस कर रहे थे। राहुल गांधी व प्रियंका गांधी द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजाए उनके प्रतिद्वंद्वी नेता सचिन पायलट को अधिक तवज्जो दिए जाने से अशोक गहलोत नाराज चल रहे थे। अशोक गहलोत चाहते थे कि जिस तरह से सचिन पायलट ने पार्टी के खिलाफ बगावत की है। उसके बाद पायलट को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा देना चाहिए था। मगर कांग्रेस आलाकमान ने ऐसा नहीं कर पायलट को संरक्षण देना शुरू कर दिया। कांग्रेस आलाकमान ने तो गहलोत पर इस बात को लेकर भी पूरा दबाव बना रखा था कि पायलट समर्थक विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल करें।

चीन से बढ़ रहे प्रेशर को कब तक झेल पायेगा ताइवान? कब्जे के लिए शी जिनपिंग ने क्या बनाया है प्लान?

क्या हांगकांग के बाद अब ताइवान पर मंडरा रहा है संकट? चीन की बढ़ती चालबाजियों को कब तक झेल पायेगा ताइवान? ताइवान हिम्मत तो दिखा रहा है लेकिन क्या संकट गहराने पर दुनिया उसके साथ खड़ी होगी या चुपचाप तमाशा देखेगी? इन सब सवालों के जवाब आज की रिपोर्ट में ढूँढ़ने की कोशिश करेंगे और बताएंगे कि क्यों ताइवान को चीन के साथ मिलाने के लिए कोई भी कदम उठाने को तैयार हैं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग।

नीरज कुमार

इस समय की बात करें तो चीन के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर ताइवान को परेशान करने के लिए रिकॉर्ड संख्या में सैन्य विमान भेजने के बाद बीजिंग ने धमकाने वाली अपनी कार्रवाइयों में भले कमी कर दी है लेकिन तनाव अब भी कम नहीं हुआ है। क्या हांगकांग के बाद अब ताइवान पर मंडरा रहा है संकट? चीन की बढ़ती चालबाजियों को कब तक झेल पायेगा ताइवान? ताइवान हिम्मत तो दिखा रहा है लेकिन क्या संकट गहराने पर दुनिया उसके साथ खड़ी होगी या चुपचाप तमाशा देखेगी? इन सब सवालों के जवाब आज की रिपोर्ट में ढूँढ़ने की कोशिश करेंगे और बताएंगे कि क्यों ताइवान को चीन के साथ मिलाने के लिए कोई भी कदम उठाने को तैयार हैं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग।

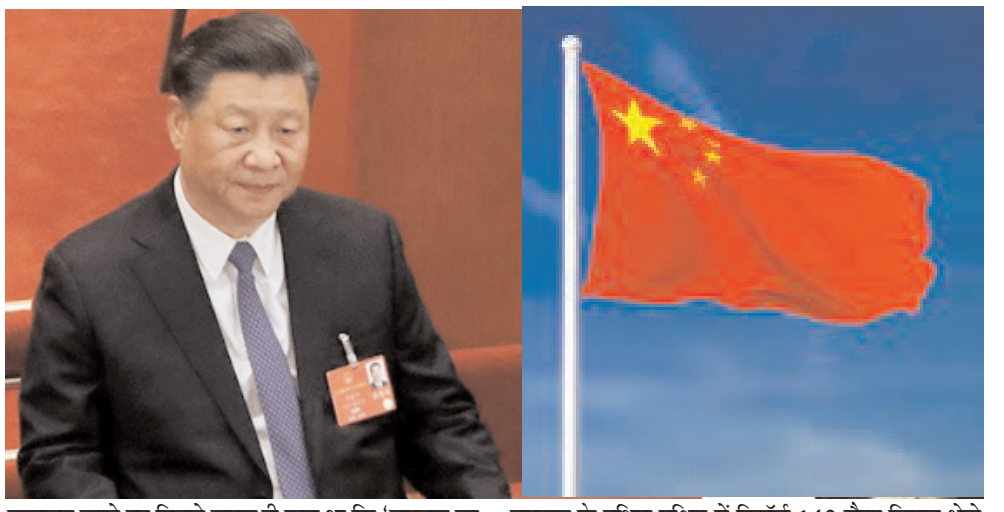

इस समय क्या माहौल है?

इस समय की बात करें तो चीन के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर ताइवान को परेशान करने के लिए रिकॉर्ड संख्या में सैन्य विमान भेजने के बाद बीजिंग ने धमकाने वाली अपनी कार्रवाइयों में भले कमी कर दी है लेकिन तनाव अब भी कम नहीं हुआ है। चीन अपने इन सैन्य अभ्यासों को उचित ठहराने की कोशिशें लगातार कर रहा है। इस समय जो हालात दिख रहे हैं उसके मुताबिक सीधे संघर्ष होने की आशंका फिलहाल नजर नहीं आ रही है, लेकिन स्वशासित ताइवान के भविष्य को लेकर स्थिति कभी भी खतरनाक बन सकती है।

विवाद का इतिहास क्या है?

दरअसल, चीन रणनीतिक और प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण ताइवान को फिर से अपने नियंत्रण में लेना चाहता है और अमेरिका ताइवान के मामले को चीन की ओर से बढ़ती चुनौतियों के संदर्भ में देखता है। हम आपको बता दें कि ताइवान खुद को एक संप्रभु राष्ट्र मानता है लेकिन चीन इस पर अपना दावा करता है। चीन, ताइवान के अपना क्षेत्र होने का दावा करता है जबकि यह द्वीप 1949 में गृहयुद्ध के दौरान कम्युनिस्ट शासित मुख्य भूमि से अलग होने के बाद से स्वायत्तशासी है। चीन और ताइवान की शासन पद्धति में भी अंतर है। चीन में एक दलीय शासन प्रणाली है जबकि ताइवान में बहुदलीय लोकतंत्र है।

क्यों आतुर हैं शी जिनपिंग?

देखा जाये तो ताइवान पर कब्जा करना चीन की राजनीतिक और सैन्य सोच का हिस्सा है। शी जिनपिंग ने साल 2012 में राष्ट्रपति बनने के बाद चीन के कायाकल्प का काम शुरू किया तथा चीन के मुख्य हिस्से में ताइवान को जोड़ना उनके मुख्य लक्ष्यों में से एक है। चीनी राष्ट्रपति शी ने ताइवान और चीन के पुनः एकीकरण की जोरदार वकालत करते हुए पिछले सप्ताह ही कहा था कि 'ताइवान का मुद्दा' सुलझाया जाएगा और 'शांतिपूर्ण एकीकरण' दोनों पक्षों के हितों में है। शी ने यह भी साफ-साफ कहा था कि ताइवान के मुद्दे पर किसी भी तरह के ''विदेशी हस्तक्षेप'' को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर अमेरिका और जापान ताइवान के प्रति अपना समर्थन बढ़ा रहे हैं जिसकी पृष्ठभूमि में चीनी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी आई थी।

बीजिंग ने धमकाने वाली अपनी कार्रवाइयों में भले कमी कर दी है लेकिन तनाव अब भी कम नहीं हुआ है।

ताइवान को लेकर चीन-अमेरिका क्यों भिड़ जाते हैं?

हम आपको यह भी बता दें कि ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच टकराव की स्थिति 1996 में भी पैदा हुई थी। तब चीन ने ताइवान के लिए बढ़ते अमेरिकी सहयोग से नाराज होकर ताइवान के तट से करीब 30 किलोमीटर दूर जलक्षेत्र में मिसाइल प्रक्षेपण समेत सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया था। इसके जवाब में अमेरिका ने क्षेत्र में दो विमान वाहक पोत भेजे थे। उस समय चीन के पास विमान वाहक और अमेरिकी पोतों को धमकाने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे, इसलिए वह पीछे हट गया था। इसके बाद चीन ने अपनी सेना को मजबूत बनाना शुरू किया और 25 साल बाद उसने मिसाइल सुरक्षा प्रणाली विकसित कर ली है, जो जवाबी हमला कर सकती है और उसने अपने विमान वाहक पोत भी बना लिए हैं। जहां तक बात चीन की ओर से अपने राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर ताइवान के दक्षिण पश्चिम में रिकॉर्ड 149 सैन्य विमान भेजे जाने की है तो इस पर अमेरिका समेत पूरी दुनिया की ओर से चिंता जताये जाने के बाद चीन ने कहा था कि सैन्य अभ्यासों और जंगी विमान संबंधी मिशन राष्ट्र की स्वायत्तता एवं क्षेत्र की रक्षा के लिए जरूरी थे।

ताइवान क्या चाहता है?

वहीं इन सब मुद्दों पर ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग वेन ने कहा है कि देश की रक्षा के लिए हर उपाय किये जाएंगे। राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित परेड में ताइवान की रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया गया और इस दौरान राष्ट्रपति साई इंग वेन ने चीनी सेना के बलप्रयोग को दृढ़ता से खारिज किया। राष्ट्रपति साई ने कहा कि हम यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने से रोकने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रीय रक्षा को बढ़ावा देते रहेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी ताइवान को चीन द्वारा निर्धारित मार्ग पर चलने के लिए मजबूर नहीं करे। हम अपना बचाव करने के लिए दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते रहेंगे। ताइवान की राष्ट्रपति साई ने चीन के अधिनायकवादी और एकल पार्टी कम्युनिस्ट शासन प्रणाली के विपरीत ताइवान में जीवंत लोकतंत्र पर जोर देते हुए कहा है कि चीन ने जो रास्ता बनाया है, वह न तो ताइवान के लिए एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक जीवन शैली प्रदान करता है, न ही हमारे 2.3 करोड़ लोगों के लिए संप्रभुता प्रदान करता है। यही नहीं ताइवान में जो हालिया सर्वेक्षण हुआ है वह दर्शाता है कि अधिकतर ताइवानी स्वतंत्र राज्य की यथास्थिति कायम रखने के पक्ष में हैं और चीन द्वारा एकीकरण का पुरजोर विरोध करते हैं जबकि चीन का कहना है कि वह द्वीप पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए जरूरत पड़ी तो सैन्य बल का भी इस्तेमाल करेगा।

लखीमपुर मामले में कांग्रेस को तो न खुदा ही मिला न बिसाले सनम

अशोक मधुप

अपने नंबर बढ़ाने आए, मृतक किसानों की सहानुभूति बटोरने में लगी कांग्रेस को लखीमपुर खीरी प्रकरण में लाभ की जगह नुकसान ही हुआ लगता है। कहावत है चौबे जी छब्बे जी बनने निकले थे। दूबे जी बन कर रह गए। इस प्रकरण का लाभ उठाने के लिए कांग्रेस से कोई कसर नहीं छोड़ी। लखीमपुर खीरी प्रकरण में मृतक चारों किसानों की अंतिम अरदास हो गई। इन मौत पर आंदोलनकारी किसान संगठनों ने खूब राजनीति की। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग की गई। घटनास्थल पर शहीद स्मारक बनाने, देशभर में अस्थि कलश निकालने, देश भर की नदियों में किसानों की राख प्रवाहित करने की घोषणा भी की गई। उधर इस प्रकरण में राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा भी सक्रिय हो गई। उसने खीरी में एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन देकर लखीमपुर खीरी प्रकरण में सभी मृतकों के प्रति समान सहानुभूति न दिखाने और समान मुआवजा न देने पर नाराजगी जताई। सूबे को बदनाम करने

वाले, चार अन्य लोगों को पीट-पीटकर मारने वाले और आगजनी करने वाले कथित किसानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की भी मांग की गई। गोला गोकर्णनाथ में हजारों की संख्या में प्रबुद्ध नागरिकों ने मंगलवार की शाम कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च द्वारा प्रशासन की एक पक्षीय कार्रवाई का विरोध किया गया। इस कांड में हुई चार अन्य की मौत में भी कठोर कार्रवाई की मांग की गई। प्रदेश में कई जगह लखीमपुर खीरी और तराई में बसे सिख किसानों की संपत्ति और भूमि की मांग भी की जाने लगी है। कहा जा रहा है कि तराई में अधिकतर सिख सरकारी भूमि में अवैध रूप से खेती कर रहे हैं। अपने नंबर बढ़ाने आए, मृतक किसानों की सहानुभूति बटोरने में लगी कांग्रेस को लखीमपुर खीरी प्रकरण में लाभ की जगह नुकसान ही हुआ लगता है। कहावत है चौबे जी छब्बे जी बनने निकले थे। दूबे जी बन कर रह गए। इस प्रकरण का लाभ उठाने के लिए कांग्रेस से कोई कसर नहीं छोड़ी। राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी तुरंत सक्रिय हो गए। लखनऊ स्थित इंदिरा नगर की दलित बस्ती लवकुश नगर में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी झाड़ू लगाती दिखीं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि झाड़ू लगाना कोई छोटा काम नहीं है। प्रियंका के इस झाड़ू लगाने पर लोग खूब चटखारे ले रहे हैं। कार्टून बन रहे हैं। इस मामले में मरे चार सिख परिवारों को कांग्रेस के छत्तीसगढ़ और पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया पचास-पचास लाख रुपया भी बेकार चला गया लगता है। काश ये रकम वे मुख्यमंत्री अपने प्रदेश के आत्महत्या करने वाले किसानों को देते तो उनके परिवार को कुछ लाभ मिलता।

टिकैत की हठधर्मी के चलते 'अंधे मोड़' पर पहुंच गया है किसान आंदोलन

अजय कुमार

नये कृषि कानून के विरोध के नाम पर देश में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, उसे सिर्फ मोदी विरोधी बताकर अनदेखा नहीं किया जा सकता है क्योंकि आंदोलन की आड़ में देश विरोधी ताकतें ठीक वैसे ही मंसूबे पाले हुए हैं, जैसे सीएए के खिलाफ आंदोलन के समय देखने को मिले थे। नये कृषि कानून के विरोध के नाम पर कब तक देश की सड़कों, हाई-वे पर अराजकता का माहौल बना रहेगा। मासूमों के खून-खराबे से सड़कें और खेत-खलिहान लाल होते रहेंगे। देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाता रहेगा। रेल और सड़क मार्ग बाधित किया जाता रहेगा। आंदोलन के नाम पर बेशकीमती सरकारी जमीन पर बलात कब्जा, आंदोलनकारियों द्वारा जबर्दस्ती बिजली-पानी का बिना किसी तरह का भुगतान किए इस्तेमाल करना किसी भी सूरत में जायज नहीं कहा जा सकता है। आंदोलन के नाम पर हिंसा-आगजनी की

वारदातों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। खासकर, चुनावी साल में किसी भी छोटी से छोटी घटना का राजनैतिक फायदा लेने के लिए हमारे नेता गिद्धों की तरह कहीं जुट जाते हैं और शर्मनाक बयानबाजी करने लगते हैं, उससे देश की छवि तो खराब होती ही है साथ ही अपराधी भी बच निकलते हैं। नये कृषि कानून के विरोध के नाम पर देश में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, उसे सिर्फ मोदी विरोधी बताकर अनदेखा नहीं किया जा सकता है क्योंकि किसान आंदोलन की आड़ में देश विरोधी ताकतें ठीक वैसे ही मंसूबे पाले हुए हैं।

अगले साल से होगा बड़ा फेरबदल

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए करनी होगी PhD, दो साल पहले लिया गया था फैसला, इस बार कोविड की वजह से टला

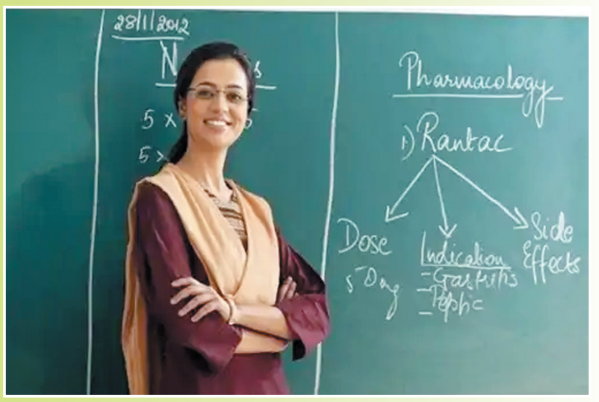

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने हाल में कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के लिए इस शैक्षणिक सत्र में PhD की योग्यता अनिवार्य नहीं होगी, लेकिन वर्ष 2022-23 से असिस्टेंट भर्ती परीक्षा में बैठने के लिए PhD की योग्यता अनिवार्य होगी। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लगभग 40 लाख स्टूडेंट्स PG में प्रवेश लेते हैं, इनमें से करीब 2 लाख छात्र PhD में एडमिशन लेते हैं। वर्ष 2019-20 की रिपोर्ट के मुताबिक 43.1 लाख छात्रों ने PG में दाखिला लिया, वहीं मात्र 2.02 लाख छात्रों ने PhD लेवल में प्रवेश लिया। AISHE की 2018-19 की रिपोर्ट के मुताबिक 40.42 लाख छात्रों ने PG में प्रवेश लिया, जबकि इस साल PhD में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या मात्र 1,69,170 ही थी। हर साल यह आंकड़ा कमोबेश इतना ही रहता है। सरकार के इस फैसले के बाद अब लगभग 39 लाख छात्रों के पास असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का ऑप्शन नहीं रहेगा। केवल इस साल तक PG के वे छात्र जिन्होंने नेट क्वालिफाइ किया है असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के लिए योग्य होंगे। असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सपना देखने वाले छात्रों को PG के बाद PhD में भी दाखिला लेना होगा।

2018 में लिया गया था फैसला, कोविड के कारण टला

वर्ष 2018 में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया था कि विश्वविद्यालय व कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए शैक्षणिक सत्र 2021-22 से नेट क्वालिफाइ करने के साथ ही PhD की योग्यता भी अनिवार्य होगी। कोरोना को देखते हुए हाल में मंत्रालय ने अपने फैसले पर इस साल तक के लिए रोक लगा दी है, ताकि शिक्षण संस्थाओं में खाली टीचिंग स्टाफ के पदों को भरा जा सके।

जिन संस्थानों में शोध कार्य नहीं होता वहां के लिए मौजूदा व्यवस्था ही ठीक

BHU से PG की पढ़ाई पूरी कर चुके रोहित मिश्रा व उत्कर्ष सिंह के अनुसार, देश के कई ऐसे शिक्षण संस्थान हैं जहां केवल शिक्षण कार्यों पर ही जोर दिया जाता है, न कि शोध कार्यों पर। ऐसे संस्थानों में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए टीचर एलिजिबिलिटी पर जोर देना चाहिए न कि शोध पात्रता पर। असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए PhD की अनिवार्यता को जोड़ने से शिक्षा की गुणवत्ता में कोई फर्क आएगा ऐसा नहीं लगता, क्योंकि PhD के छात्र टीचिंग एप्टीट्यूड को नहीं सीखते हैं।

अब विदेश में पढ़ना मुश्किल नहीं: ऑक्सफ़ोर्ड, हावर्ड या स्टेनफोर्ड में पढ़ना चाहते हैं तो राजस्थान सरकार करेगी मदद

जयपुर। राजस्थान के टैलेंटेड स्टूडेंट्स के लिए अब विदेशों की टॉप यूनिवर्सिटीज में पढ़ने का सपना आसानी से पूरा हो सकेगा। सरकार प्रदेश के 200 स्टूडेंट्स को ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे दुनिया की चुनिंदा 50 संस्थानों में हायर एजुकेशन की सुविधा मुहैया कराएगी। इसके लिए इसी सत्र से राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस आरजीएस योजना शुरू कर दी गई है। इसके लिए 22 अक्टूबर से आवेदन किए जा सकेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर इस योजना की घोषणा की थी। जिसके बाद शिक्षा विभाग ने तेजी से कार्य करते हुए इस पर नियम-कायदे बनाकर यह योजना इसी सत्र से लागू कर दी है। उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने बताया की योजना के तहत ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे दुनिया के नामचीन 50 संस्थानों से स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और पोस्ट डॉक्टोरल स्तर पर अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। स्टूडेंट्स के यात्रा किराया और ट्यूशन फीस सहित सम्पूर्ण खर्चा राज्य सरकार वहन करेगी।

30 फीसदी अवार्ड छात्राओं के लिए चिह्नित

स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए केवल मानवीकी से संबंधित विषयों के अध्ययन के लिए ही छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। हर साल 200 मेधावी विद्यार्थियों में से 30 फीसदी अवार्ड छात्राओं के लिए चिह्नित रखते हुए 60 छात्राओं को अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने से पूर्व आवेदकों का संबंधित विदेशी संस्थानों में प्रवेश होना जरूरी है। इस योजना के अन्तर्गत प्रति वर्ष 8 लाख से कम पारिवारिक आय वाले स्टूडेंट्स को प्राथमिकता दी जाएगी।

विषयवार इस तरह से रहेंगी सीटें

हयूमैनिटीज, सोशल साइंस, एग्रीकल्चर एंड फोरेस्ट साइंस, नेचर एंड एनवायरमेंटल साइंस और लॉ के लिए 150, मैनेजमेंट एंड बिजनस एडमिनिस्ट्रेशन और इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस के लिए 25 और प्योर साइंस और पब्लिक हेल्थ विषयों के लिए 25 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। इन विषयों में स्थान रिक्त रहने की स्थिति में इंजीनियरिंग एंड रिलेटेड साइंस, मेडिसिन एंड एप्लाइड साइंस में अधिकतम 15 उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति दी जा सकेगी।

वेबसाइट से ले सकते हैं पूरी जानकारी

कॉलेज आयुक्त संदेश नायक ने बताया कि आवेदन राज्य सरकार के आरजीएस पोर्टल/वेबसाइट पर प्राप्त किए जाएंगे। पोर्टल पर ही आवेदकों का चयन किया जाएगा। पात्र आवेदकों के 200 से अधिक आवेदन मिलने पर छात्रवृत्ति के लिए लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाएगा।

आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी-1 के रिजल्ट इसी महीने जारी होने की उम्मीद, इसके तहत 35281 पदों पर होंगे रिक्रूटमेंट

आरआरबी एनटीपीसी सीबीटी -1 रिजल्ट 2021 का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (RRB) अपनी ऑफिशियल वेबसाइट rrbcdg.gov.in पर रेलवे में नॉन टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी भर्ती के लिए पहले फेज के परीक्षा परिणाम घोषित करेगा।

करीब 1.25 करोड़ से ज्यादा कैंडिडेट्स को इंतजार

लगभग एक करोड़ 25 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों ने 7 स्टेप्स में आरआरबी एनटीपीसी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट पहला फेज यानी सीबीटी-1 एग्जाम दिया था। जो 28 दिसंबर 2020 से 31 जुलाई 2021 तक आयोजित किए गए थे। पहले फेज में क्वालीफाई होने वाले उम्मीदावारों को दूसरे फेज के सीबीटी के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

कुल 35281 पद भरे जाएंगे

इसके माध्यम से क्लर्क कम टाइपिस्ट, अकाउंट्स

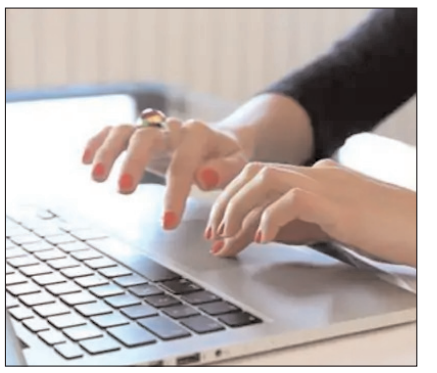

क्लर्क कम टाइपिस्ट, टाइम कीपर, ट्रेन क्लर्क, टिकट क्लर्क, ट्रैफिक असिस्टेंट, गुड गार्ड्स, स्टेशन मास्टर सहित कुल 35281 पद भरे जाएंगे। आरआरबी एनटीपीसी 2021 सीबीटी -1 परीक्षा के लिए आंसर की जारी की गई थी। अब रेलवे बोर्ड रिजल्ट जारी करने वाला है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि बोर्ड अक्टूबर 2021 में ही आरआरबी एनटीपीसी के नतीजे जारी कर सकता है।

नीट-एसएस 2021: सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों के चलते केंद्र सरकार ने बदला फैसला

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-सुपर स्पेशियलिटी (नीट-एसएस)-2021 इस वर्ष पुराने पैटर्न से ही होगीपैटर्न में अंतिम पलों में किए बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियों के चलते केंद्र सरकार ने अपना फैसला बदल लिया है। सरकार ने बुधवार को जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ को यह जानकारी दी। सरकार ने कहा, छात्रों के व्यापक हित में निर्णय बदलते हुए तय किया गया है कि इस बार नीट-एसएस पुराने पैटर्न पर होगा। नया पैटर्न 2022-23 सत्र से लागू होगा। इसके बाद कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पैटर्न की वैधता का मुद्दा खुला है, भविष्य में इस पर सवाल उठे तो कोर्ट में सुनवाई होगी।

भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा की तैयारी अब स्कूलों से शुरू होगी, दिल्ली में खुलेगा आर्मी प्रीप्रेटरी स्कूल

भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा की तैयारी अब स्कूलों से शुरू होगी। दिल्ली सरकार आर्मी प्रीप्रेटरी स्कूल खोलने जा रही है। इन स्कूलों मे छात्रों को आर्म्ड फोर्सेस की तैयारी कराई जाएगी। शिक्षा निदेशालय निदेशक उदित प्रकाश ने दिल्ली आर्म्ड फोर्सेस प्रीप्रेटरी स्कूल खोले जाने की घोषणा की है। सर्वोदय कन्या विद्यालय शक्ति नगर में आयोजित मोटिवेशनल स्पीकर सीरीज के चौथे सेशन में इसकी घोषणा की गई।

इस दौरान दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और कर्नल राजेश गुप्ता भी मौजूद रहे। दिल्ली आर्म्ड फोर्सेस प्रीप्रेटरी स्कूल अगले साल यानी 2022 से खोले जाएंगे। इस स्कूल में सेना में जाने के इच्छुक छात्रों को नेशनल डिफेंस एकेडमी एग्जाम की तैयारी कराई जाएगी। साथ ही दो साल तक छात्रों की फिजिकल फिटनेस, पर्सनालिटी और मेंटल डेवलेपमेंट पर जोर दिया जाएगा। मनीष सिसोदिया ने इस फैसले पर खुशी जाहिर की और दिल्ली सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह के छोटे-छोटे कदम

उठाकर देश भक्ति की भावना के बड़े लक्ष्य तक पहुंचना ही लक्ष्य है। यह सब मिलकर देश की प्रगति में मदद करेगा। समानता और विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में, सिसोदिया ने लड़कियों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, एनडीए एग्जाम में बैठने की परमिशन देने के फैसले की भी सराहना की। उदित प्रकाश ने प्रोग्राम के दौरान कहा कि इस पहल के माध्यम से दिल्ली के स्कूलों के हर एक बच्चे में सेना का हिस्सा बनने के लिए अधिक आत्मविश्वास और प्रेरणा मिलेगी। इसके अलावा, यह संघ लोक सेवा आयोग और एनडीए की तैयारी के बारे में मिथकों को दूर करने में मदद करेगा। इस सेशन में लगभग 13000 छात्र यूट्यूब लाइव के माध्यम से जुड़े थे।

इग्नू ने जारी किए जून टर्म एंड एग्जाम रिजल्ट

यूजी और पीजी कोर्स में अब 25 अक्टूबर तक हो सकेगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने जून 2021 टर्म एंड एग्जाम के परिणाम घोषित कर दिए हैं। जो स्टूडेंट्स 27 सितंबर से 6 अक्टूबर को आयोजित हुए ऑफलाइन एग्जाम में शामिल हुए थे, वे इग्नू की ऑफिशियल वेबसाइट ignou.ac.in पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं। इग्नू जून 2021 टर्म एडं एग्जाम केवल उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी जो सितंबर 2020 और मार्च 2021 की परीक्षा पूरी नहीं कर पाए थे।

इन 5 स्टेप्स में चेक करें रिजल्ट

स्टेप 1 इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट ignou.ac.in पर जाएं।

स्टेप 2 होम पेज पर उपलब्ध अलर्ट सेक्शन में जाएं।

स्टेप 3 यहां, 'Result for Term End June w®wv E&amination' लिंक पर क्लिक करें।

स्टेप 4 नया पेज खुल जाएगा, जहां आप अपना एंरोलमेंट नंबर दर्ज करें।

स्टेप 5 सबमिट टैब पर क्लिक करें और परिणाम चेक करें। इसे डाउनलोड करें और आगे के लिए प्रिंटआउट लेकर रखें।

रिया कपूर की अपीलः

रिया कपूर को करवा चौथ में विश्वास नहीं है, इसलिए उससे जुड़ा कोई विज्ञापन भी नहीं करेंगी

अनिल कपूर की दूसरी बेटी और फिल्म मेकर स्टाइलिस्ट रिया कपूर ने करवा चौथ से पहले एक अपील की है। ये अपील उन ब्रांड्स से है जो करवा चौथ सेलिब्रेशन के लिए रिया और उनके पति करण बूलानी को अप्रोच कर रहे थे। रिया ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर करते हुए कहा कि करवा चौथ के त्योहार की भावना कुछ ऐसी नहीं है जिससे वह और उनके पति करण बुलानी सहमत हैं।

एंडोर्समेंट के लिए किया इंकार

पोस्ट में रिया ने लिखा- नमस्ते। रविवार मुबारक हो। करवा चौथ के गिफ्ट या कोलेबोरेशन के लिए कृपया मुझसे संपर्क न करें। यह ऐसा त्योहार नहीं है जिसमें करण या मैं विश्वास करती हूं। हम अन्य जोड़ों का सम्मान करते हैं जो इसमें शामिल होते हैं और यहां तक कि उत्सव का आनंद भी लेते हैं। यह सिर्फ मेरे लिए नहीं है। इसलिए आखिरी चीज जो मैं करना चाहती हूं, वो यह है कि मैं किसी ऐसी चीज को बढ़ावा नहीं देना चाहती, जिस पर मुझे विश्वास नहीं है। या फिर मैं वास्तव में उस भावना से सहमत नहीं हूं जिससे यह आता है। रिया ने कहा कि- कुछ लोग मुझे करवा चौथ नहीं मनाने के लिए मूर्ख कह रहे हैं। मुझे ऐसा लगता है कि अगर हम अपना और एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं तो ये अच्छा है। मैं यह केवल इसलिए लिख रही हूं क्योंकि अजनबी लोग मुझे ये समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि इसे करना है, क्योंकि यह मेरा पहला करवा चौथ है। जी नहीं, धन्यवाद। तो आगे बढ़ते हैं यदि आप इसे पढ़ रहे हैं तो बकवास करने के लिए धन्यवाद। मुझे आशा है कि आप अपने रविवार का आनंद ले रहे होंगे।

इंटीमेट वेडिंग थी रिया की शादी

रिया और करण ने इसी साल अगस्त में शादी की थी। इस शादी से पहले रिया ओर करण ने एक दूसरे को 12 साल डेट किया था। शादी उनके पिता अभिनेता अनिल कपूर के मुंबई स्थित घर पर हुई थी। समारोह एक निजी मामला था, जिसमें केवल करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल हुए थे।

हेल्थ पर बातः नेहा धूपिया का सभी प्रेग्नेंट मदर्स को संदेश,

बोलीं- खुद के शरीर पर ध्यान दो और ज्यादा मत सोचो

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने कुछ दिनों पहले ही अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने अपने दूसरे बेबी और बॉडी पॉजिटिविटी के बारे में बात की और कहा कि दो छोटे बच्चे होना एक्साइटिंग होने के साथ-साथ थका देने वाला भी होता है।

नेहा ने की बेबी के बाद टाइम मैनेजमेंट पर बात

नेहा कहती हैं, आप जानते हैं कि आपको क्या मिल रहा है, लेकिन यह डिमांड से दोगुना मिलता है। रातों की नींद उड़ जाती है, आपका दिमाग नहीं ठीक होता है, बहुत टाइम को मैनेज करना पड़ता है, लेकिन ये एक्साइटिंग टाइम हैं। हम इसे अभी भी समझ रहे हैं। यह थोड़ा डिमांडिंग है और हम एक बैलेंस खोजने की कोशिश कर रहे हैं..लेकिन हो जाएगा!

नेहा ने की बॉडी पॉजिटिविटी के बारे में बात

नेहा ने कहा, मैं अपने पहले जैसे शरीर में वापस जाना चाहती हूं, जो मेरे दो बच्चों से पहले थी। लेकिन सच्चाई यह है कि मैं उस शरीर में खुश हूं जो अभी मेरे पास है और हमें इसकी जरूरत है और हमें इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहिए। मैं अभी चाइल्ड बर्थ के बाद वाली बॉडी में हूं, कोई मेरे अंदर था और मुझे एक बैग की तरह छोड़ दिया गया था, लेकिन मैं किसी को जिंदगी देकर बहुत खुश हूं और मैं यह उन सभी मदर्स के लिए बोलती हूं। खुद को इस सिचुएशन में मत डालो, ज्यादा मत सोचो।

2018 में हुई थी नेहा की बेटी महर

नेहा और अंगद के अफेयर की खबरें तब सुर्खियां बनीं, जब ये कपल नवंबर 2017 में क्रिकेटर जहीर खान और सागरिका की शादी के रिसेप्शन में पहुंचा था। दोनों ने कभी डेटिंग को लेकर कुछ नहीं कहा था, लेकिन करीब 1 साल डेटिंग के बाद फिर मई 2018 में दोनों ने शादी कर ली थी। मई 2018 में शादी के बंधन में बंधे नेहा और अंगद के घर 18 नवम्बर 2018 की सुबह बेटी आई थी। नेहा शादी से पहले ही प्रेग्नेंट हो गई थी, इसलिए गुपचुप और हड़बड़ी में उन्होंने शादी की। कुछ समय पहले खुद अंगद ने यह कुबूल किया था कि नेहा शादी से पहले प्रेग्नेंट हो गईं थीं, इसलिए उन्हें गुपचुप तरीके से शादी करनी पड़ी। नेहा ने हाल ही में अपने बेटे को जन्म दिया है।

सिंगर का जनता को संदेश

त्योहार पर दलेर मेहंदी ने की लोगों से अपील, बोले- फेस्टिवल को घर पर मनाएं और हुड़दंग ना मचाएं

सिंगर दलेर मेहंदी ने एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान फेस्टिव सीजन के बारे में बात की और कहा कि मेरा मानना ??है कि इस साल फेस्टिव सीजन पिछले साल की तुलना में थोड़ा बेहतर रहने वाला है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को सावधानी से चलना चाहिए क्योंकि हम अभी भी एक महामारी के बीच में हैं।

दलेर ने दी फेस्टिवल को घर पर मनाने की नसीहतः दलेर कहते हैं, बस फेस्टिवल को घर पर मनाएं। यह जरूरी नहीं है कि आप बाहर जाएं और पटाखों को फोड़ें। आप घर पर पूजा कर सकते हैं और यह वास्तव में एक अच्छा एहसास है। हमें बस भगवान से प्रार्थना करनी चाहिए कि हम सभी जीवित रहें और फेस्टिवल्स को मनाएं।

दलेर ने कहा हमें सेलिब्रेशन करना चाहिए कि हम सुरक्षित हैंः दलेर आगे कहते हैं, यह सतर्क रहने के बारे में है, हमें स्थिति को और खराब नहीं करना चाहिए। बल्कि इसे और बेहतर बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए। हम सभी आशा करते हैं कि बुरा समय समाप्त हो गया है और अब चीजें केवल ऊपर दिखेंगी। आगे तो सब अच्छा है। दिन रोज बदलते हैं। वह यह भी कहते हैं कि हमें इस फैक्ट का भी सेलिब्रेशन करना चाहिए कि हम सुरक्षित हैं।

74 साल की हुईं सिमी ग्रेवालः अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय से लेकर रेखा तक, जब सिमी ग्रेवाल के शो में बॉलीवुड सेलेब्स ने किए चौंका देने वाले खुलासे

मेरा नाम जोकर, कभी-कभी, चलते-चलते और कर्ज जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकीं सिमी ग्रेवाल आज पूरे 74 सालों की हो चुकी हैं। फिल्मों से ज्यादा सिमी ने अपने पॉपुलर चैट शो रेंडेवू विद सिमी ग्रेवाल से देशभर में पहचान हासिल की। ये चैट शो साल 1997 में शुरू हुआ था जहां सिमी ने अपने हुनर से कई बड़े सितारों के राजों से पर्दा उठाया था। आज उनके जन्मदिन के खास मौके पर जानते हैं सिमी के शो में हुए कुछ बड़े और शॉकिंग खुलासों के बारे में-

रेखा ने कबूला अमिताभ के लिए अपना प्यार

सिमी ग्रेवाल के चैट शो के दौरान जब रेखा से उनके अमिताभ को लेकर प्यार के बारे में पूछा गया था। एक्ट्रेस ने बिना बात घुमाए सीधे कह दिया था कि वो अमिताभ से बेहद प्यार करती थीं। रेखा ने कहा, आप दुनिया भर का प्यार ले लीजिए और उसमें कुछ और भी मिला दीजिए, ये सब मिलाकर जितना होता है, मैं उनसे उतना प्यार करती हूं। एक्ट्रेस ने खुलासा करते हुए कहा कि उनके बीच कभी कोई रिश्ता नहीं रहा था, ये सिर्फ अफवाहें थीं। एक्ट्रेस ने कहा, अमिताभ को मैं सिर्फ अपने दिल दिमाग में प्यार करती थी, हमारे बीच कभी कोई पर्सनल बात नहीं हुई। रेखा ने कहा, मेरी जिंदगी उस समय बदल गई जब मुझे ये एहसास हुआ कि वो हर इंसान से बेहद अलग हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमिताभ के शादीशुदा होने से उनके प्यार पर कोई असर पड़ा तो उन्होंने कहा, मैं उन्हें दिल में प्यार करती थी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि वो शादीशुदा हैं या नहीं। मैं उनका घर नहीं तोड़ना चाहती थी। रेखा ने बताया कि अमित जी और उनके रिश्ते की अफवाह से कभी उनके और जया के बीच कभी कोई झगड़ा नहीं रहा। रेखा ने कहा, जया जी जब भी मिलती थीं, प्यार से मिलती थीं, उन्हें कभी रिश्ते की अफवाह से कोई फर्क नहीं पड़ा था।

मुझे हर को-स्टार से प्यार हो जाता है- रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी ने सिमी ग्रेवाल से अपने रिश्तों पर कहा था कि वो बेहद रोमांटिक हैं और उन्हें फिल्मों की शूटिंग के दौरान अपने सभी को-स्टार से प्यार हो जाता है।

फेस्टिवल ऑफर

बैंक ऑफ इंडिया ने होम और व्हीकल लोन की ब्याज दरों में कटौती की

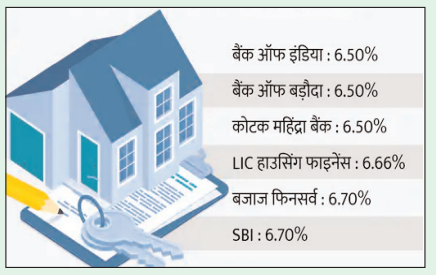

नई दिल्ली। फेस्टिव सीजन में बैंक ऑफ इंडिया ने अपने ग्राहकों को होम लोन और ऑटो लोन पर छूट देने की घोषणा की है। बैंक ने अपने होम लोन पर ब्याज दर में 0.35त्न की कटौती की है। इस कटौती के बाद बीओआई की होम लोन की दर 6.50त्न से शुरू होगी। बैंक ने कहा कि यह स्पेशल रेट 18 अक्टूबर, 2021 से 31 दिसंबर, 2021 तक लागू रहेगी।

6.85% ब्याज पर मिलेगा व्हीकल लोन

इसके अलावा बैंक ने व्हीकल लोन पर ब्याज दर में भी 0.50त्न की कटौती की है। बैंक के व्हीकल लोन पर ब्याज दर 7.35 से घटकर 6.85त्न रह गई है।

नहीं देनी होगी प्रोसेसिंग फीस

बैंक ने 31 दिसंबर, 2021 तक होम और व्हीकल लोन पर प्रोसेसिंग चार्ज नहीं लेने का फैसला किया है। नए लोन और लोन के ट्रांसफर के लिए आवेदन करने वाले ग्राहक इस ऑफर का लाभ ले सकेंगे। देश के कई बैंक इन दिनों होम लोन पर खास ऑफर दे रहे हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा और कोटक महिंद्रा बैंक फेस्टिवल ऑफर के तहत 6.50त्न पर होम लोन दे रहे हैं। SBI 6.70% की ब्याज दर पर लोन दे रहा है।

ये बैंक भी दे रहे खास फेस्टिवल ऑफर

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ने त्योहारी सीजन में होम लोन ब्याज दर को घटाकर 6.50त्न कर दिया है। नई ब्याज दर का फायदा नए लोन के अलावा दूसरे बैंक से ट्रांसफर होकर आए होम लोन पर भी मिलेगा।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने त्योहारी सीजन में नया धमाका पेश किया है। बैंक ने कहा है कि अब 75 लाख रुपए तक के होम लोन पर ब्याज की दर एक समान रहेगी। ब्याज की दर 6.70त्न रहेगी।

कोटक महिंद्रा बैंक

कोटक महिंद्रा बैंक ने भी इस त्योहारी सीजन में होम लोन की ब्याज दर में 15 (बेसिस प्वाइंट) की कटौती की है। अब होम लोन के ब्याज की नई दर 6.50% सालाना होगी।

बिटकॉइन की कीमतों में तेजी: 62 हजार डॉलर के पार हुआ बिटकॉइन, इस महीने अब तक 29% बढ़ा

नई दिल्ली। बिटकॉइन की कीमत 62 हजार डॉलर के पार पहुंच गई है। इस समय बिटकॉइन 62,070 डॉलर के करीब ट्रेड कर रहा है। इससे पहले 15 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 60 हजार का लेवल पार किया था। अप्रैल 2021 के बाद ऐसा पहली बार हुआ था जब बिटकॉइन 60 हजार डॉलर के पार गया था।

इस महीने में 29% बढ़ा बिटकॉइन

अक्टूबर में अब तक 18 दिन में ही बिटकॉइन 29त्न बढ़ा है। 1 अक्टूबर को बिटकॉइन की कीमत 48,160 डॉलर पर थी जो अब 62,070 पर पहुंच गई है। इसके अलावा अन्य क्रिप्टो करेंसी की बात करें तो एथेरियम 1 अक्टूबर को 3,306 डॉलर पर था जो अब 3,851 पर पहुंच गया है। वहीं पोलकाडाट 42 डॉलर पर पहुंच गया है जो 1 अक्टूबर को 31 डॉलर पर था।

क्यों आ रही तेजी?

अमेरिकी रेगुलेटर्स क्रिप्टोकरेंसी के लिए पहले फ्यूचर्स एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (श्वञ्जस्र) को हरी झंडी दे सकता है। इसी के चलते बिटकॉइन की कीमतों में तेजी आई है। आंकड़ों के अनुसार, यह डिजिटल करेंसी एक महीने में 28.74त्न बढ़कर 62,070 डॉलर पर पहुंच गई है। अमेरिकी सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन (स्श्वष्ट) श्वञ्जस्र को अगले सप्ताह तक कारोबार करने की मंजूरी दे सकता है।

बिटकॉइन की कीमत में आएगी और तेजी: जानकारों का मानना है कि बिटकॉइन की कीमतों में यहां से अच्छी तेजी दिखेगी। हो सकता है कि अगले साल यह 90 हजार डॉलर तक के आंकड़े को पार कर जाए। हालांकि इस साल के अंत तक इसकी कीमत 60 हजार डॉलर तक जा सकती है। बिटकॉइन की कीमत 3 महीने पहले 32 हजार डॉलर पर चली गई थी। जबकि पोलकाडाट की कीमत 22 डॉलर पर पहुंच गई थी। भारत में 12-14 क्रिप्टो के एक्सचेंज हैं जो कारोबार करते हैं। भारत में क्रिप्टोकरेंसी में रोजाना का टर्नओवर 1,000-1500 करोड़ रुपए का है। देश में क्रिप्टो करेंसी में 1 से 1.20 करोड़ निवेशक हैं।

क्रिप्टो करेंसी है क्या?

यह आपके रुपए, डॉलर, येन या पाउंड जैसी ही करेंसी है। पर यह डिजिटल यानी वर्चुअल है। क्रिप्टोग्राफी के सिद्धांत पर काम करती ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी से ही यह वर्चुअल करेंसी बनी है। इसी वजह से इसे क्रिप्टोकरेंसी कहते हैं। जब आप रुपए, डॉलर, येन या पाउंड की बात करते हैं तो उस पर उसे जारी करने वाले देश के केंद्रीय बैंक का नियंत्रण होता है।

विदेशों में बढ़ी ज्वेलरी की डिमांड

सितंबर में 23,259 करोड़ रुपए की जेम्स एंड ज्वैलरी का निर्यात, ये सितंबर 2020 की तुलना में 29.67% ज्यादा

नई दिल्ली। सितंबर में जेम्स और ज्वेलरी का निर्यात 29.67त्न बढ़कर 23,259.55 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सितंबर 2020 में यह आंकड़ा 17,936.86 करोड़ रुपए रहा था। वहीं सितंबर, 2019 में 23,491.20 करोड़ रुपए के जेम्स और ज्वेलरी का निर्यात हुआ था। जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (GJEPC) ने यह जानकारी दी है।

अप्रैल-सितंबर में 1.40 लाख करोड़ रुपए का निर्यात

GJEPC ने बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 6 महीनों (अप्रैल-सितंबर) में जेम्स और ज्वेलरी का निर्यात इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 134.55त्न बढ़कर 1,40,412.94 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। त्नछ्वश्वक्ष्ट के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा, अप्रैल-सितंबर में 1,40,412.94 करोड़ रुपए के निर्यात के साथ जेम्स और ज्वेलरी क्षेत्र ने सरकार द्वारा क्षेत्र के लिए तय लक्ष्य 41.66 अरब डॉलर का आधा (करीब 46त्न) हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि अब फेस्टिव सीजन आ रहा है। ऐसे में त्नछ्वश्वक्ष्ट को वित्त वर्ष के अंत तक निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की उम्मीद है।

चांदी के ज्वेलरी का निर्यात 48.2% बढ़ा

इस अवधि में चांदी के ज्वेलरी का निर्यात 48.25त्न बढ़कर 9,477.39 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में 6,392.65 करोड़ रुपए था।

देश में सोने की मांग बढ़ी

त्योहारों के बीच देश में सोने की मांग पटरी पर लौट आई है। बीते महीने यानी सितंबर में 91 टन सोने का आयात हुआ। यह सितंबर 2020 के मुकाबले 658त्न और कोविड महामारी शुरू होने से पहले यानी सितंबर 2019 के मुकाबले 250त्न ज्यादा है। पिछले साल के मुकाबले सोने की कीमतों में 20त्न कमी और इस साल त्योहारों में बेहतर मांग की संभावना ने सोना आयात बढ़ा दिया है। पिछले साल सितंबर में सिर्फ 12 टन सोने का आयात हुआ था।

शेयर बाजार: रिकॉर्ड ऊंचाई पर बाजार, सेंसेक्स 61,800 और निफ्टी 18,500 के पार

मुंबई। हफ्ते के पहले दिन यानी आज बाजार में शानदार तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 61,817 पर और निफ्टी 18,500 पर खुला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 61,894 का और निफ्टी ने 18,521 का स्तर छुआ। फिलहाल सेंसेक्स 470 पॉइंट चढ़कर 61,780 पर और निफ्टी 150 पॉइंट चढ़कर 18,490 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयर्स में से 24 शेयर में खरीदारी और 6 शेयर में बिकवाली देखने को मिल रही है। जिसमें टाइटन, टाटा स्टील और इन्फोसिस के शेयर 2त्न से ज्यादा और ICICI बैंक के शेयर 1% से ज्यादा की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। वहीं एशियन पेंट्स के शेयर में 1त्न की कमजोरी है। बाजार को मेटल शेयर्स का सपोर्ट मिल रहा है। NSE पर मेटल इंडेक्स 3% से ज्यादा की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। ऑटो, IT शेयर्स में भी तेजी देखने को मिल रही है।

भारत में बढ़ेगा निवेश: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की वर्ल्ड के टॉप CEO के साथ मुलाकात

कहा-भारत में निवेश के बहुत अवसर

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन डीसी में वैश्विक उद्योग जगत के दिग्गजों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्लोबल सप्लाई चेन को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। भारत में सभी निवेशकों और उद्योग के हितधारकों के लिए निवेश के बहुत मौके हैं। वित्त मंत्री विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठक में शामिल हुई।

उद्योग मंडल फिक्की और अमेरिका-भारत रणनीतिक मंच के आयोजित गोलमेज में वैश्विक उद्योग जगत के दिग्गजों को संबोधित किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि ग्लोबल सप्लाई चेन के पुन नियोजन और भारत के स्पष्ट रुख अपनाने वाले नेतृत्व की वजह से सभी निवेशकों और उद्योग के

हितधारकों के लिए हमारे देश में काफी अवसर हैं। भारत में स्टार्टअप कंपनियां काफी तेजी से बढ़ी हैं और अब इनमें से कई पूंजी बाजार से फंड जुटा रही हैं। इस साल ही करीब 16 स्टार्टअप यूनिकॉर्न क्लब में शामिल हुए हैं।

डिजिटलीकरण का पूरा फायदा उठाया

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने चुनौतीपूर्ण समय में भी डिजिटलीकरण का पूरा फायदा उठाया है। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर सीतारमण के हवाले से कहा कि वित्तीय क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की वजह से वित्तीय समावेश को बढ़ावा मिल रहा है।

दिग्गज कंपनियों के ष्टश्वह्व से मिलीं वित्त मंत्री

सीतारमण ने शनिवार को मास्टरकार्ड के कार्यकारी चेयरमैन अजय बंगा और मास्टरकार्ड के ष्टश्वह्व माइकल मीबैक,डेंशियल फाइनेंस इंक के अंतरराष्ट्रीय कारोबार प्रमुख स्कॉट स्लीस्टर और लेगाटम के मुख्य निवेश अधिकारी फिलिप वासिलियो से भी मुलाकात की।

डी-मार्ट के दूसरी तिमाही के नतीजे: नेट प्रॉफिट 110% बढ़कर 417.8 करोड़ रुपए पर पहुंचा

मुंबई। रिटेल चेन डी-मार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के दूसरी तिमाही (त्त2) के नतीजे शनिवार को घोषित किए गए। 30 सितंबर को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 110त्न की बढ़ोतरी के साथ 417.8 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले साल की इसी तिमाही में, एवेन्यू सुपरमार्ट्स का नेट प्रॉफिट 199 करोड़ रुपए रहा था। नतीजों के घोषित होने से पहले गुरुवार को डी-मार्ट के शेयर में 4.75% की तेजी भी देखी गई। कंपनी के रेवेन्यू में भी उछाल आया है। इस तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट का टोटल रेवेन्यू 7,789 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 5,218 करोड़ रुपए था। ये 46.8त्न का उछाल है। Qw में इंटरेस्ट, टैक्स डेप्रिसिएशन और अमोरटाइजेशन से पहले की अर्निंग (EBITDA) 670 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 325 करोड़ रुपए थी। EBITDA मार्जिन QwFY22 में 8.8% था।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)